

आवास/Accommodation:

पूर्व सूचना पर आवास की व्यवस्था की जाएगी

Arrangements will be made on prior intimation.

लेख भेजने की अंतिम तारीख/Last Date for receipt of articles:

अंग्रेज़ी में / in English : 20-5-2009

हिंदी में / in Hindi : 30-5-2009

प्रोत्साहन/Encouragement:

लेखों का प्रकाशन किया जाएगा। 5 उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण केलिए नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

The proceedings will be printed and published. Five best presentation awards in cash will be given

कार्यक्रम निदेशक/Programme Director:

डॉ. जी. सैदा रावु
निदेशक, सी एम एफ आर आइ



मुख्य आयोजक/Chief Organiser

डॉ. के.के. विजयन
अध्यक्ष, समुद्री जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग

आयोजन समिति/Organizing Committee

- | | |
|---|-----------------|
| डॉ. के.के. विजयन, अध्यक्ष, एम बी टी डी | - मुख्य आयोजक |
| डॉ. पी. विजयगोपाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक | - संयुक्त आयोजक |
| श्रीमती रेखा जे. नायर, वैज्ञानिक (एस.जी.) | - सदस्य |
| श्री ए.टी. सुनिल, निम्न श्रेणी लिपिक | - सदस्य |
| श्रीमती ई.के. उमा, तकनीकी अधिकारी | - सदस्य |
| श्रीमती ई. शशिकला, तकनीकी अधिकारी | - सदस्य |
| श्रीमती शीला पी.जे. सहायक निदेशक (रा भा) | - सदस्य सचिव |



पत्राचार का पता/Address for correspondence:

डॉ. के.के. विजयन
अध्यक्ष, एम बी टी डी / Head, MBTD,
सी एम एफ आर आइ, पी.बी. सं. 1603, एरणकुलम,
CMFRI, P.B. No. 1603, Ernakulam,
कोच्ची/Kochi - 682 018, केरल/Kerala.
दूरभाष / Phone: Office: 0484-2390191
मोबाइल/Mobile: 9446473191
हिंदी अनुभाग का ई-मेल rajbhasha_9@rediffmail.com

राष्ट्रीय राजभाषा संगोष्ठी पिंजरों में मछली पालन

National Official Language Seminar Fish Farming in Cages

25-26 जून 2009



केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

कोच्ची - 682 018, केरल

पिंजरों में मछली पालन Fish Farming in Cages

उद्देश्य/Objective:

जल कृषि अब तेज़ बढ़ने वाला खाद्य उत्पादन सेक्टर बन गया है। विश्व की कुल खाद्य मछलियों का करीब 50% इस सेक्टर से प्राप्त होता है और आजकल जलीय खाद्य के लिए बढ़ती हुई मांग की पूर्ति करने के लिए यह सेक्टर सक्षम माना गया है। अगले दो दशकों में होनेवाली जनसंख्या बढ़ती को मानते हुए यह आकलन किया जाता है कि वर्ष 2030 में वर्तमान प्रतिशीर्ष खपत कायम रखने के लिए कम से कम 40 मिलियन जलीय उत्पाद की आवश्यकता पड़ जाएगी।

इस परिवेश में, पिंजरा पालन एक आशावह मार्ग के रूप में उभरकर आता है और मछुआरे को विद्यमान जल संसाधन, जो अन्य कार्यों के लिए अधिक उपयोग में नहीं आता है, उपयुक्त करके मछली पालन करने का अवसर प्रदान करता है। जलीय आवास तंत्र में पिंजरा पालन व्यवस्था समेकित करते समय प्रति एकक क्षेत्र की वहनीय क्षमता अनुकूलतम बनाया रखता है, क्योंकि तरंगों का बहाव स्वच्छ पानी का परिचालन और इससे उपापचयन के अपशिष्ट, अधिक पड़े खाद्य और विसर्ज्य वस्तुओं को निकालने में सहायक निकलता है। आर्थिक दृष्टि से देखे जाएं तो पिंजरा पालन कम संघात का और अधिक आय कमाने का पालन तरीका है।

देश में समुद्री, खारा पानी, मीठा पानी और शीतजल में जलीय आवास व्यवस्थायें स्थापित करने पर मछली संतति, पोषण, स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी से संबंधित चुनौतियाँ होने की संभावना है। इसको मानते हुए सी एम एफ आर आइ ने कृषि मंत्रालय के सहयोग से पिंजरे में पख मछलियों का पालन करने का एक बड़े कार्यक्रम की शुरुआत की है। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड पिंजरा पालन को प्रोत्साहन देने वाला और एक अभिकरण है। अतः 25-26 जून 2009 को राजभाषा हिंदी में आयोजित होनेवाली इस संगोष्ठी में पिंजरा पालन क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और छात्रों को कोचीन में एकत्र होकर पिंजरा पालन विषय पर अपना मंतव्य प्रकट करने का अवसर मिल जाता है।

Aquaculture, the fastest growing food producing sector, now accounts for almost 50% of the world's food fish and is perceived as having the

greatest potential to meet the growing demand of aquatic food. Given the projected population growth over next two decades, it is estimated that atleast an additional 40 million aquatic food will be required by 2030 to maintain the current per capita consumption.

In this context, cage culture is coming up as promising venture and offers the farmer a chance for optimally utilising the existing water resources which in most cases have only limited use for other purposes. By integrating the cage culture system into the aquatic eco system, the carrying capacity per unit area is optimised because the free flow of current brings in fresh supply of water and removes metabolic wastes, excess feed and faecal matter. Thus economically speaking Cage culture is a low impact farming practice with high economic returns.

The possibilities of using an array of aquatic ecosystems in the country viz. marine, brackish, fresh water and cold water hold exciting challenges in the areas of meeting the fish seed requirement, its nutrition, health and eco technology. Realising this CMFRI initiated a major programme on cage culture of finfishes with the support of MoA. NFDB is another agency which is promoting cage aquaculture. Therefore, this seminar in our national language is timed in 2009 June inviting workers active in cage farming to congregate at Cochin and deliberate on issues relating to cage culture.

विचार विमर्श के लिए कुछ विषय/A few themes for deliberation:

1. मीठा पानी में पिंजरा पालन/Cage culture in fresh water
2. खारा पानी में पिंजरा पालन/Cage culture in Brackish water



3. शीत जल में पिंजरा पालन/Cage culture in Cold water
4. समुद्र जल में पिंजरा पालन/Cage culture in Marine water
5. पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी/Environment and Technology
6. प्रमुख संवर्धन जाति और संतति/Major candidates species and seed
7. पोषण और खुराक/Nutrition and feed
8. रोग और आरोग्य/Diseases and Health
9. आर्थिकी और विपणन/Economics and Marketings.

संगोष्ठी का स्थान/Venue of the Seminar:

सी एम एफ आर आइ सम्मेलन कक्ष (301), एरणाकुलम नोर्त पी.ओ., कोचीन - 682 018, केरल

CMFRI Conference Hall (301), Ernakulam North P.O., Cochin - 682 018, Kerala

दिनांक/Date

25-26 June, 2009

सहभागिता/Participation

केंद्र सरकार संगठनों/अनुसंधान संस्थानों/कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक/विशेषज्ञ/अध्यापक/विद्यार्थी

Scientists/Experts/Teachers/Students in Central Government organisations/Research Institutes/Agricultural Universities etc.

लेख/Articles

लगभग 4 से 6 पृष्ठों में टंकित वैज्ञानिक या तकनीकी लेख रंगीन फोटो सहित

Scientific or technical articles typed in 4 to 6 pages with colour photographs.

यात्रा भत्ता/Travelling Allowance:

संबंधित विभागों द्वारा वहन किया जाना चाहिए

To be met from concerned Departments.